छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

महासचिव का प्रतिवेदन

5 नवम्बर 2017, दिन-रविवार

कार्यकाल
2014 से 2017

पंजीकृत मुख्यालय
डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
प्रांतीय कार्यालय
कूर्मि छात्रावास, सीपत रोड, चांटीडीह चौक, बिलासपुर (छ.ग.) 495006
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल : kurmi.chetna01@gmail.com

महासचिव का प्रतिवेदन

आत्मीय महानुभावों,

सादर प्रणाम ....

छत्तीसगढ़ कूर्मि–क्षत्रिय चेतना मंच परिवार का सफर 1993 में प्रारंभ होकर 21 वर्ष के गरिमामयी यात्रा के बाद संगठन के प्रदेश महासचिव जैसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निवर्हन मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता के लिए सौभाग्य की बात है। समाज में कुछ हासिल हो पाया, वह मंच के कर्मठ, उत्साही एवं लगनशील कार्यकर्ताओं के अथक प्रयास से संभव हुआ। ऐसे ऊर्जावान साथियों को एक सूत्र में पीरोकर रखने और बिखरे पड़े समाज में सामाजिक भावना संचारित करने में मुझे चेतना मंच के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कूर्मि लक्ष्मी प्रसाद चंद्राकर, कूर्मि जगदीश प्रसाद कौशिक, कूर्मि सिद्वेश्वर पाटनवार, कूर्मि डॉ0 हेमन्त कौशिक के साथ संस्थापक सदस्य कूर्मि लक्ष्मी प्रसाद गहवई जी का प्रभावी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मुझे सेवानिवृत वन क्षेत्रपाल, युवाह्रदय संम्राट कूर्मि बी. आर. कौशिक (निवृतमान प्रदेशाध्यक्ष) के नेतृत्व में काम करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। आपके सानिध्य में मुझे न केवल कार्य सीखने का अवसर मिला, बल्कि आपके ऊर्जावान नेतृत्व के फलस्वरूप मंच को नवीन बुलंदियों में पहुँचाने, रचनात्मक कार्य व सार्थकपूर्ण कार्य करने में हम सफल हुए।

चेतना मंच द्वारा अब तक किए गए कुछ प्रभावी गतिविधियों की जानकारी आपके समक्ष रखना चाहता हूँ। अपने समाज की सामाजिक स्थिति का आंकलन, सामाजिक एकीकरण की दिशा में प्रयास तथा परिणामूलक गतिविधियों के फलस्वरूप, आइए देखते है चेतना मंच की स्थापना से लेकरअब तक की एक झलकियॉ ....

(क) प्रमुख नियमित गतिविधियाँ :-

- **संगठनात्मक** –बिलासपुर संभाग में निवासरत 21 उपजातियों के एकीकरण के चुनौतीपूर्ण कार्य को करने हेतु प्रदेश समिति के अतिरिक्त बिलासपुर संभाग एवं जिला समिति का गठन। अब प्रदेश के सभी संभाग एवं जिला में मुख्य, महिला एवं युवा संगठन गठित है। चेतना मंच में बिलासपुर को सुदृढ़ करने के साथ–साथ रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, भिलाई, महासमुंद, कवर्धा, धमतरी, जगदलपुर, जांजगीर, कोरबा, कोरिया, सरगुजा, रायगढ़, सुरजपुर, बलरामपुर, मुंगेली जैसे कूर्मि बाहुल्य जिले में बैठक एवं गोष्ठी के माध्यम से सामाजिक एकीकरण की दिशा में जो प्रयास किये गये उसके सार्थक परिणाम परिलक्षित हुए।
- **सरदार पटेल जयंती एवं प्रतिभा सम्मान** – स्थापना काल से बिलासपुर संभाग के जिला, ब्लाक, पंचायत स्तर पर प्रति वर्ष पखवाड़े भर का निरंतर आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में पखवाड़े के अंत में वृहद आयोजन बिलासपुर मुख्यालय में सम्पन्न किया जाता है। इसमें प्रभावी रैली, फिरका प्रमुख, मुर्धन्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रतिभावान

विद्यार्थियों, विभिन्न विधा के विभूतियों का सम्मान किया जाता है।

- **निर्धन प्रतिभावान विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग** – समाज के उदार दानदाताओं के सहयोग से लगातार यह कार्य जारी है। समाज के निर्धन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु डॉ. प्रदीप सिंगरौल एवं जगदीश कौशिक परिवार द्वारा लगातार पांच वर्षों तक आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। इसके अलावा समय–समय पर प्रबुद्ध समाज सेवियों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया ।
- **सामूहिक विवाह** – चेतना मंच द्वारा सभी उपजातियों को शामिल करते हुये 26 मई 2002 को दहेज मुक्त सामूहिक विवाह का प्रथम आयोजन किया गया। जिसमें अलग–अलग फिरकों के 11 जोड़े प्रणय सूत्र में आबद्ध हुये। इस आयोजन को प्रदेश में सर्व कूर्मि का प्रथम **सामूहिक विवाह** होने का गौरव प्राप्त है। छ.ग. प्रदेश के तत्कालीन गृहमंत्री माननीय नंदकुमार पटेल एवं राजस्व मंत्री माननीय भूपेश बघेल का इस आयोजन में सम्बल प्राप्त हुआ। इसके बाद 4 मई 2003 को विभिन्न फिरकों के 9 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय अजीत जोगी ने भी उपस्थित होकर वर वधु को शुभकामनाएं दी। इसमें श्री रामाधार कश्यप, राज्य सभा सासंद का भी विशेष योगदान रहा।
- **युवक–युवती एवं परिवार परिचय सम्मेलन**– चेतना मंच द्वारा 2001 से ''स्मारिका चेतना'' का प्रकाशन एवं युवक–युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 2008 तक बिलासपुर में किया जाता रहा है। 21 दिसम्बर 2008 को चेतना मंच एवं युवा कूर्मि मित्र मण्डल, भिलाई नगर के संयुक्त तत्वावधान में कूर्मि संझा का आयोजन बिलासपुर में किया गया । तत्पश्चात 2008 से युवा कूर्मि मित्र मंडल भिलाई के द्वारा स्मारिका एवं परिचय सम्मेलन को ग्राह्य कर विस्तार दिया गया।
- **सामाजिक सर्वेक्षण** – प्रदेश में निवासरत विभिन्न उपजातियों के सहयोग से जनसंख्या का आंकलन करना, आवश्यक हुआ । तत्संबंध में घर–घर दस्तक के माध्यम से अपनापन का भाव पैदा करने हेतु विशेष कर अविभाजित बिलासपुर संभाग में निवासरत स्वजातीय लोंगों का सर्वेक्षण भी कराया गया। इसमें महिलाओं की भूमिका विशेष रुप से उल्लेखनीय रही है।
- **फिरका जोड़ों अभियान** – फिरका प्रमुखों के साथ बैठक, गोष्ठी एवं अनेक आयोजनों के द्वारा सामाजिक एकीकरण का कार्य लगातार जारी है। काफी लंबे प्रयास के बाद सभी फिरका प्रमुखों को एक मंच में लाकर 6 नवम्बर 2005 को उन्हें सम्मानित किया गया। फिरकों के अस्तित्व को मिटाए बिना कूर्मि–महाशक्ति का स्वरुप विकसित करना ध्येय रहा।
- **कला संस्कृति संवर्धन** – वाद–विवाद, निबंध लेखन, संस्कृति ज्ञान, सामान्य ज्ञान, गायन नृत्य आदि का आयोजन युवा प्रकोष्ठ के माध्यम से संपादित किये जाते हैं। वहीं

हरेली मिलन, तीजा, पोला मिलन, छेर-छेरा मिलन आदि कार्य महिला प्रकोष्ठ के माध्यम से करते हुये इन त्यौहारों को जीवंत रखने का प्रयास किया जा रहा है। चेतना मंच के लिखित अनुरोध पर हरेली त्यौहार को 2001 में माननीय मुख्यमंत्री अजित जोगी के निर्देश पर राजपत्रित अवकाश घोषित किया गया था।

- **स्वजातीय जनप्रतिनिधियों का सम्मान**- सामाजिक एकता से राजनीतिक चेतना का बोध समाज में जगाने हेतु प्रत्येक निर्वाचन पश्चात् नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह पूर्वक किया जाता है।
- **स्वजातीय प्रेरणा दायक व्यक्तित्व सम्मान**- समाज के मूर्धन्य, दानशील तथा अपने विशिष्टतम कार्य से प्रेरणा देने वाले विभूतियों का सम्मान व स्मरण कर अन्यों को उस दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन करना
- **फिरका प्रमुखों का सम्मान** -कूर्मियों की एकता को सुदृढ़ बनाये रखने व सामाजिक समरसता को सम्बल प्रदान करने की दृष्टि विभिन्न अवसरों में सम्मान समारोह आयोजित किये जाते हैं।
- **कूर्मि कृषक सम्मान** - वैज्ञानिक व तकनीकि कृषि को बढ़ावा देने हेतु समाज द्वारा प्रतिवर्ष पटेल जयंती के अवसर पर कूर्मि कृषि सम्मान दिया जाता है। कूर्मि कृषि रत्न (सर्वश्रेष्ठ किसान धान-गेहूं-चना-सोयाबीन तिलहन हेतु) कूर्मि कृषि भूषण सर्वश्रेष्ठ किसान (फल एवं साग सब्जी) कूर्मि कृषि श्री सर्वश्रेष्ठ (महिला किसान हेतु आरक्षित)प्रथम 2011 में चेतना मंच द्वारा कूर्मि कृषि रत्न का सम्मान श्री बलीराम सिंगरौल, कूर्मि कृषि भूषण का सम्मान श्री ईश्वर बघेल को दिया गया।
- **प्रशिक्षण** -पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के क्षमता विकास हेतु कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन कई अवसरों पर किया जाता है। इसके साथ ही कृषि, लघु व्यवसाय, कुटीर उद्योगों की जानकारी एवं कौशल विकास हेतु भी प्रशिक्षण आयोजित किये जाते हैं। यह आय के स्त्रोत बढ़ाने में भी मददगार होता है, जो "श्रम साधना-गरीबी भगाना" संदेश देता है।

(ख) कार्यकाल 2014-2017 के दौरान संगठन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य-

1. **स्थाई प्रादेशिक कार्यालय का उद्घाटन :** -समाज विकास के लिए स्थायी रूप से एक कार्यालय की आवश्यकता को देखते हुए नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष कूर्मि बी.आर. कौशिक के अथक प्रयास एवं कूर्मि सेवा समिति के अध्यक्ष कूर्मि रमेश कौशिक जी के सहयोग से बिलासपुर स्थित कूर्मि छात्रावास चांटीडीह, सरकंडा के एक कमरा में संगठन का प्रादेशिक कार्यालय का शुभारंभ किया गया ।
2. **कूर्मि पंचाग का श्रीगणेश:**-समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपरा तथा महान विभूतियों की जानकारी देते हुए आत्मगौरव का बोध कराने के उद्देश्य से चेतना

मंच द्वारा पटेल जयंती के अवसर पर अर्थात 2 नवम्बर 2014 को **कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग** का प्रथम अंक प्रकाशन का श्रीगणेश किया गया। **कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग** के माध्यम से समाज में व्याप्त रूढ़िवादी, उदासीनता, भ्रम तथा शंकाओं का तार्किक एवं वैज्ञानिक समाधान की जानकारी प्रकाशित करते हुए समाज में जागृति व चेतना का संचार किया जा रहा है।

3. **छत्तीसगढ़ में निवासरत समस्त फिरका प्रमुखों के साथ वार्षिक अधिवेशन :-** छत्तीसगढ़ में निवासरत 24 फिरका के वार्षिक अधिवेशन 14 जून 2015 को माँ महामाया की पावन नगरी, रतनपुर जिला बिलासपुर में आयोजित किया गया । इस अधिवेशन में एकीकरण, सामूहिक विवाह, सादा मृतक भोज जैसे समाज उन्मुखी कदम पर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किये गये । अधिवेशन में पारित किये गये निम्नानुसार है :-
   1. शिक्षा को बढ़ावा देते हुए मनोबल वृद्धि पर बल देना।
   2. उन्नत कृषि एवं व्यवसाय क्षेत्र में शिक्षित बेरोजगारों को प्रोत्साहित करने हेतु समयोचित कदम उठाना।
   3. कृषि को व्यवसाय का दर्जा देने के साथ अन्य आर्थिक विकल्पों पर समाज के लोगों में सोच विकसित करना।
   4. महिला सशक्तिकरण एवं कुटीर उदयोग में अपनी भागीदारी बढ़ाने का प्रयास करना।
   5. समग्र कूर्मि एकीकरण की सोच विकसित करते हुए केवल और केवल समाज हित की चिन्तन करना एवं यथाशीध्र लागू करना।
   6. निर्धन छात्र-छात्राओं को सहयोग तथा क्षमतावान लोगों की मदद से उन्हें सक्षम बनाने का प्रयास करना।
   7. विवाह एवं विभिन्न संस्कारों में फिज़ूल खर्च से बचना, सामूहिक विवाह को प्रोत्साहन एवं गरीबों के विवाह में यथेष्ठ सहयोग प्रदान करने का कार्य करना।
   8. साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं चरित्र संवर्धन जैसे बहुआयामी कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिये प्रयास करना।
   9. सामाजिक दायित्व बोध, व्यक्तित्व विकास,सामुदायिक सोच एवं राजनीतिक चेतना विकसित करना ।

4. **प्रदेश व अन्य राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर के संगठनों से कार्यक्रम समन्वय :-**छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा कूर्मि समाज में एकीकरण के उद्देश्य से राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के संगठनों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए समाज विकास का कार्य सम्पादित किये गये ।

5. **कूर्मि समाज के लिए निर्मित राज्य स्तरीय बहुउद्देशीय भवन में सहयोगः-** छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज के संयोजकत्व में प्रदेश के मुख्यालय रायपुर में कूर्मि समाज का बहुउद्देशीय भवन हेतु मंच के द्वारा रु. 51,000/- का सहयोग राशि प्रदान किया गया ।

6. **संगठन का सोशल मिडिया के माध्यम से अन्य राज्य से सम्पर्क व प्रचार-प्रसार-** चेतना मंच के सोशल मिडिया एकाऊन्ट जैसे फेसबुक, वाट्सएप व ई-मेल जैसे नवीन तकनीकि आधारित संचार व्यवस्था संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए खोला गया । संगठन की बैठक / कार्यक्रमों की गतिविधियाँ डिजिटल माध्यमों से प्रसारित किया जा रहा है ।

(ग) छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच के वर्ष वार सदस्यता की प्रगति प्रतिवेदनः- छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच परिवार का सफर 1993 में 10 लोगों के साथ आज 2017 में 390 लोगों की सदस्यता की लम्बी उड़ान ले रहा है; जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र0	विवरण	वर्षवार सदस्यता विवरण			कार्यकाल के दौरान नए जुड़े सदस्यों की संख्या	कुल सदस्य
		आजीवन सदस्य	त्रैवार्षिक सदस्य	वार्षिक सदस्य		
1.	Years 1993-2001	10	0	0	10	10
2.	Years 2001-2005	10	0	131	131	141
3.	Years 2005-2007	25	57	155	106	237
4.	Years 2007-2011	47	98	0	39	145
5.	Years 2011-2014	99	116	5	181	220
6.	Years 2014-2017	285	101	4	209	390

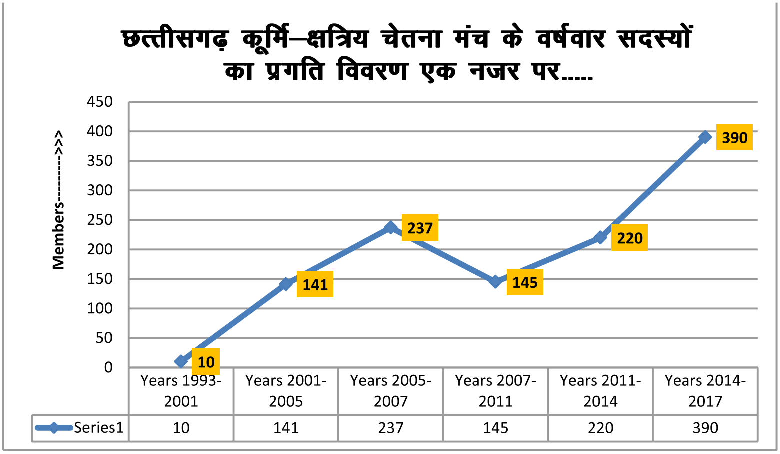

(घ) वर्षवार वित्तीय प्रगति प्रतिवेदन :–

छत्तीसगढ़ कूर्मि–क्षत्रिय चेतना मंच का वर्षवार वित्तीय प्रगति प्रतिवेदन निम्नानुसार है :–

क0	विवरण	वर्षवार आय व व्यय विवरण		
		आय	व्यय	बचत
1	2001-2002	82,183.00	72,743.00	9,440.00
2	2002-2003	2,85,552.00	2,58,557.00	26,995.00
3	2003-2004	2,25,985.00	1,43,178.00	82,807.00
4	2004-2005	2,10,775.00	1,63,862.00	46,913.00
5	2005-2006	1,86,708.00	1,22,463.00	64,245.00
6	2006-2007	4,17,439.00	2,34,007.00	1,83,432.00
7	2007-2008	3,69,794.00	2,37,597.00	1,32,197.00
8	2008-2009	4,10,558.00	3,35,582.00	74,976.00
9	2009-2010	6,14,231.00	4,83,542.00	1,30,689.00
10	2010-2011	6,17,083.00	4,84,968.00	1,32,115.00
11	2011-2012	4,19,330	3,68,280	51,050
12	2012-2013	2,05,037	1,99,155	5,882
13	2013-2014	1,32,055	1,26,311	5,714
14	2014-2015	1,41,920	1,34,398	7,522
15	2015-2016	3,20,900	2,48,170	94,252
16	2016-2017	4,12,982	2,36,998	1,75,984

उपरोक्तानुसार चेतना मंच के स्थापना 18 अप्रैल 1993 से 21 अगस्त 2017 तक की गतिविधियों का लेखा–जोखा आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया। अब वर्तमान नवनिर्वाचित कार्यकारिणी (21 अगस्त 2017 से) की समस्त गतिविधियों का सफल क्रियान्वयन, आप सबके उदार सहयोग, स्नेह एवं आवश्यक मार्गदर्शन से हो सकेगा। चेतना मंच का मूल आधार सामूहिक निर्णय, पारदर्शिता एवं कार्यो में निरंतरता को नई कार्यकारिणी द्वारा दक्षतापूर्वक करने के लिए विश्वास दिलाते है।

इतने कम उम्र में महासचिव के रूप में कार्य करने का अवसर दिया गया, इसके लिए समाज का, मै कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। कितना क्या कर सका ? इसका आकलन आप ही करेंगे। किन्तु चेतना मंच का कोई भी पदाधिकारी द्वारा या किसी भी कार्यक्रम से समाज के किसी को ठेस पहुँचा हो, उसके लिए मैं व्यक्तिगत रूप से क्षमा प्रार्थी हूँ। अंत में आप सब को पुन: धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समाज उत्थान में हर संभव प्रयास करने का अपील भी करता हूँ।

उठे समाज के लिए उठे!, उठे!!
स्वयं सजे वसुन्धरा सवार दे!!!

जगे स्वराष्ट्र के लिए जगे! जगे!!
स्वयं सजे वसुन्धरा सवार दे!!!

आपका अपना ही,

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल (पी.एच-डी.)

प्रदेश महासचिव

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) 495006

मोबाईल नं0 09425522629 ईमेल-kurmi.chetna01@gmail.com